

सामान्य हिंदी 25 PYQ

- **Bihar D.El.Ed**

अब आ गया है डीएलएड का रामबाण

Part - 01



सामान्य हिन्दी

वर्णों की आवृत्ति को कहते हैं।

- (A) अन्त्यानुप्रास अलंकार
- (B) लाटानुप्रास अलंकार
- (C) छेकानुप्रास अलंकार
- (D) अनुप्रास अलंकार

इनमें से कौन-सा वाक्य अशुद्ध है ?

(A) मुझे निबंध लिखना है।

(B) राम और राम का पुत्र बाजार गया।

(C) ये फल अच्छे नहीं हैं।

(D) यह पुस्तक रोहन की है।

‘एक राम घनश्याम हित’ चातक तुलसीदास में
अलंकार खोजें।

(A) रूपक

(B) उपमा

(C) उत्प्रेक्षा

(D) अतिशयोक्ति

‘विद्यालय’ का संधि-विच्छेद है—

- (A) विद्य + लय (B) विद्या + आलय
(C) विद्य + आलय (D) विद्या + लय

निम्न में कौन-सा वाक्य शुद्ध है ?

- (A) वह दंड पाने के योग्य है।
- (B) भारत सरकार विद्वानों को पद्म भूषण की पदवी अर्पित कर रही है।
- (C) वहाँ भरी-भरकम भीड़ जमा थी।
- (D) उनका बहुत भारी सम्मान हुआ।

‘पहाड़ टूट पड़ना’ मुहावरे का अर्थ क्या होगा ?

- (A) पहाड़ का घूमना
- (B) संकट टलना
- (C) इनमें से कोई नहीं
- (D) भारी विपत्ति आना

‘वह पैदल नहीं चल सकता’। वाक्य में कौन-सा वाच्य है ?

(A) भाववाच्य

(B) कर्मवाच्य

(C) कर्तृवाच्य

(D) क्रियावाच्य

‘आजकल पढ़े-लिखे युवक नौकरी के लिए खाक छानते फिरते हैं।’ इस वाक्य में ‘खाक छानना’ मुहावरे का अर्थ है—

- (A) खाली बैठना (B) तैयार हो जाना
(C) बहुत लज्जित होना
(D) दर-दर भटकना

“काव्यशेभाय कर्तारो धर्माः गुणाः।” किसका कथन है ?

(A) कुन्तक

(B) वामन

(C) मम्मट

(D) भरतमुनि

(C) 'घोड़े बेचकर सोना' मुहावरे का अर्थ है—

- (A) घोड़ा बेचकर सोना खरीदना
- (B) चिंतित होना
- (C) फिक्रमंद होना
- (D) बेफिक्र होना

जब एक ही शब्द दो या दो से अधिक बार आए और उसका अर्थ हर बार भिन्न-भिन्न हो, कौन-सा अलंकार कहलाता है ?

- (A) अतिशयोक्ति अलंकार
- (B) रूपक अलंकार
- (C) उपमा अलंकार
- (D) यमक अलंकार

कर्मधारय समास का उदाहरण कौन है ?

- | | |
|--------------|-------------------|
| (A) नव ग्रह | (B) नवयुवक |
| (C) नवरात्रि | (D) उपर्युक्त सभी |

‘नि’ उपसर्ग से बना शब्द है—

(A) निरपराध

(B) निवास

(C) निराकरण

(D) निर्भय

अद्भुत रस में कौन-सा स्थायी भाव है ?

- | | |
|------------|------------|
| (A) विस्मय | (B) शोक |
| (C) प्रेम | (D) अनुराग |

अयोध्या के राजा दशरथ के चार पुत्र थे। इसमें कौन पदबंध है ?

- (A) सर्वनाम पदबंध (B) क्रिया पदबंध
(C) विशेषण पदबंध (D) संज्ञा पदबंध

निम्न में से रूपक अलंकार छाँटिए।

- (A) जरा-से लाल केसर से कि जैसे धुल गई हो।
- (B) नभ मंडल छाया मरुस्थल सा
- (C) बढ़त-बढ़त संपत्ति-सलिलु मन-सरोज बढ़ जाइ।
- (D) डाल-डाल अलि पिक के गायन का बँधा समौ।

‘लट-लटकनि मनुमत मधुपगन, मादक मधुहि
पिए।’ इस पंक्ति में कौन-सा अलंकार है ?

- | | |
|-------------|-----------------|
| (A) यमक | (B) रूपक |
| (C) विभावना | (D) उत्प्रेक्षा |

चंचल शब्द में 'चं' वर्ण में कौन-सी मात्रा होगी?

(A) प्लूत

(B) लघु और गुरु

(C) लघु

(D) गुरु

‘दिन कटना’ मुहावरे का अर्थ है—

- | | |
|---------------|---------------|
| (A) रात बीतना | (B) समय बीतना |
| (C) शाम बीतना | (D) दिन बीतना |

‘सुधि आए सुधि जाए।’ इस पंक्ति में कौन-सा अलंकार है ?

- | | |
|---------------|-------------|
| (A) विरोधाभास | (B) रूपक |
| (C) यमक | (D) विभावना |

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। उसका धर्म है कि वह स्वयं जिए और दूसरों को भी जीने दे। वह अपने सुख-दुख के साथ दूसरों के सुख-दुख की ओर भी ध्यान दे। अपने स्वार्थ को छोड़कर दूसरों के हित की भी सोंचे। अपना स्वार्थ सिद्ध करना मानवता नहीं है। 'परहित' ही सच्ची मानवता है। यही सच्चा धर्म है। मनुष्य अपनी क्षमता या सामर्थ्य के अनुसार परहित कर सकता है। वह मन से, धन से या तन से अथवा तीनों से दूसरों की भलाई कर सकता है। दूसरों के प्रति सच्ची सहानुभूति रखना भी परहित है। किसी को संकट से बचाना, किसी को कुमार्ग से हटाना, किसी दुखी और निराश व्यक्ति को सांत्वना देना भी परहित के ही अंतर्गत आता है। भगवान राम ने ऋषि-मुनियों की तपस्या में बाधा डालने वाले राक्षसों का संहार किया। ईसा मसीह ने लोगों का उत्थान किया, सम्राट् अशोक ने स्थान-स्थान पर कुएँ, तालाब आदि खुदवाकर जनता का उपकार किया। यही मानवता का प्रमुख धर्म है।

'संहार' का अर्थ है—

- | | |
|-----------|----------|
| (A) संसार | (B) भलाई |
| (C) दया | (D) नाश |



7. 'नगण्य' शब्द में समास होगा—

(A) द्वन्द्व

(B) तत्पुरुष

(C) द्विगु

(d) बहुब्रीहि

शब्द की तीसरी शक्ति कौन-सी है ?

(A) लक्षणा

(B) व्यंजना

(C) दोनों

(D) दोनों में से कोई नहीं

शब्द शक्ति भेद के अन्तर्गत आता है—

(A) अभिधा

(B) छंद

(C) रस

(D) वर्ण

जिस वर्णिक छन्द के प्रत्येक चरण में 15 वर्ण होते हैं, उसे क्या कहते हैं ?

- | | |
|-------------------|-----------------|
| (A) मालिनी | (B) इन्द्रवज्रा |
| (C) मन्दाक्रान्ता | (D) सवैया |